संपादकीय

निरीह शिक्षक का पत्र

आदरणीय सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी, सादर प्रणाम। मैं आशा करता हूं कि आप स्वर्ग में अपने तमाम साथियों के साथ मजे में होंगे। आपका एक एहसान हम सभी शिक्षक कभी भी नहीं भूलेंगे।आप के कारण ही साल में कम से कम एक दिन यानी पांच सितंबर को हमारा दिवस होता है और उसी एक दिन हमारा भी सम्मान होता है और हमें पूजनीय भी बताया जाता है। इस दिन ही हमें महसूस होता है कि हमारा भी वजूद है और हमारी भी कुछ पूछ परख बची है। कहा गया है कि सभी तरह के दान में ज्ञानदान ही सर्वश्रेष्ठ है और आज के दिन ही हमें लगता है कि हम यह पवित्र कार्य कर रहे हैं ।कुछ लोग यह भी प्रश्न करते हैं कि तुम लोग दान नहीं कर रहे हो और तुम्हें इस काम के लिए मजूरी भी मिलती है। सही कहते हैं लोग, यह मजूरी ही है जो हमारे काम की तुलना में अत्यंत कम है 7 आप जानते ही हैं मजदूर कम मजूरी पाने के लिए अभिशप्त है उसके लिए कानून तक पूंजीपतियों से पूछकर बनाए जाते हैं 7 चूंकि शिक्षक को मजूरी मिलती है सो शिक्षक मजदूर से भी अधिक मजबूर है 7 मजदूर को केवल मजदूरी करनी पड़ती है परंतु शिक्षकों को कई तरह की हमाली करनी पड़ती है।

मैं सरकारी स्कूल का एक साधारण शिक्षक हूँ, जिसे तमाम असाधारण काम करने पड़ते हैं । हम एक सामान्य शिक्षक ही रहना चाहते थे, जो बच्चों को ढंग से शिक्षादान दे सके, परंतु भला हो देश के चौपट राजाओं का, जिन्होंने हमें सामान्य शिक्षक से महामानव बना दिया ।आपने स्वर्ग में चार हाथों वाले भगवान देखे होंगे परंतु यदि आप आज यहां होते तो चार हाथों वाले शिक्षकों के दर्शन हो जाते । इस बात को कोई माने या न माने परंतु प्रशासन अवश्य ही मानता है, इनका मानना है कि शिक्षक के लिए कोई भी काम असंभव नहीं है और जो काम कोई दूसरा न कर सके उसे शिक्षक अवश्य ही कर गुजरता है। उससे अपेक्षित कामों की फेहरिस्त काफी लंबी है -चुनाव, जनगणना, सर्वेक्षण, जुलूस ,बीमारी ,महामारी, आपदा नियंत्रण आदि। जिस तरह से मीडिया की अंतिम प्राथमिकता बेरोजगारी, भुखमरी, आर्थिक बदहाली को दिखाना है, उसी तरह से सभी सरकारों की अंतिम प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा है ।आपने बताया था कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता है और शिक्षण एक पवित्र कार्य है। मैंने पढ़ा है कि अमेरिका और यूरोप में शिक्षकों को सम्मानजनक वेतन दिया जाता है ।हमारे देश के सभी राज्यों में शिक्षकों का वेतन कम है ,अन्य मामलों में राज्यों में मतभेद हो सकता है परंतु इस मामले में वे सभी एकमत हैं ।शिक्षकों का वेतन कम करने के कई तरीके ईजाद किए गए हैं । नए-नए पदों का सृजन यह ध्यान में रखकर किया गया कि कैसे उनके वेतन में कटौती की जाए और वे इसमें सफल भी रहे हैं ।देश के लगभग सभी राज्यों ने यह किया ।इसका परिणाम था कि शिक्षाकर्मी, शिक्षामित्र ,गुरु जी अवतरित हुए। इन पदों पर भर्ती भी अपेक्षाकृत आसान की गई। काम वही परंतु वेतन कम ।बाद में दबाव में सात-आठ साल बाद इन्हें नियमित किया गया ।सरकारों के पास प्रत्येक कार्य के लिए पैसा है परंतु शिक्षकों को उनका वाजिब वेतन नहीं दिया जाता है ।कर्ज ऋण माफी ,एनपीए ,सब्सिडी, सस्ता या मुफ्त अनाज पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, परंतु राष्ट्र निर्माता के लिए कुछ करोड़ भी खर्च नहीं किए जाते हैं ।गरीब परिवारों को मुफ्त अनाज के बदले मुफ्त शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि वे अपनी रोजी-रोटी स्वयं कमा सकें और किसी के मोहताज न हो ।हमारी तकलीफों को दिखाने का मीडिया के पास न ही टाइम है और न ही इच्छा। आप ही देश के नेताओं से हॉटलाइन पर बात कर हमारी तकलीफ दूर कर सकते हैं परंतु ध्यान रहे कि उन्हें मेरा-नाम पता न बताएं,अन्यथा सरकारी एजेंसियां इस निरीह शिक्षक का जीना मुश्किल कर देंगी। मुझे इजाजत दीजिए, सफाई कर्मचारी आज स्कूल नहीं आए हैं अतः हम शिक्षकों को ही स्कूल की साफ सफाई भी करनी है।
आपका अपना- रामलाल ,शिक्षक,ग्राम -नारथा, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़।

- राजशेखर चौबे

जियो की पांच वर्ष में देश में 1300 फीसदी बढ़ी डेटा खपत

नई दिल्ली। जियो की पांच सितंबर 2016 को लॉचिंग पर मुकेश अंबानी ने डेटा इज न्यू ऑयल का नारा दिया और इस सेक्टर की तस्वीर ही बदल गई। अक्टूबर से दिसंबर 2016 की ट्राई की परफॉरमेंस इंडीकेटर रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि प्रति यूजर डेटा की खपत मात्र 878.63 एमबी थी। सितंबर 2016 में जियो लॉन्च के बाद डेटा खपत में जबर्दस्त विस्फोट हुआ और अब डेटा की खपत 1303 प्रतिशत बढ़कर 12.33 जीबी हो गई।

पांच साल पहले जब उद्योगपति मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो के लॉन्च की घोषणा की तो किसी को भी गुमान नहीं था कि जियो, देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित होगा। भारत में इंटरनेट की शुरूआत हुए 26 वर्ष बीत गए हैं। कई टेलीकॉम कंपनियों ने इस सेक्टर में हाथ अजमाया, पर कमोबेश सभी कंपनियों का फोकस वॉयस कॉलिंग पर ही था।

जियो के मार्केट में उतरने के बाद केवल डेटा की खपत ही नही बढ़ी डेटा यूजर्स की संख्या में भी भारी इजाफा देखने को मिला। ट्राई की ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर रिपोर्ट के मुताबिक पांच साल पहले के

मुकाबले ब्रॉडबैंड ग्राहकों की तादाद चार गुना बढ़ चुकी है। जहां सितंबर 2016 में 19.23 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहक थे वहीं जून 2021 में यह 79.27 करोड़ हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना हैं कि डेटा की खपत में बढ़ोतरी और इंटरनेट यूजर्स की तादाद में भारी इजाफे की वजह डेटा की कीमतों में हुई कमी है। दरअसल जियो की लॉचिंग से पूर्व तक डेटा की कीमत करीब 160 रुपए प्रति जीबी थी जो 2021 में घटकर 10 रुपए प्रति जीबी से भी नीचे आ गई। यानी पिछले पांच वर्षों में देश में डेटा की कीमतें 93 प्रतिशत कम हुई। डेटा की कम हुई कीमतों के कारण ही आज देश दुनिया में सबसे किफायती इंटरनेट उपलब्ध कराने वाले देशों की सूची में शामिल है।

डेटा की कीमतें कम हुई तो डेटा खपत बढ़ी। डेटा खपत बढ़ी तो डेटा की पीठ पर सवार काम धंधों के पंख निकल आए। आज देश में 53 यूनीकॉर्न कंपनियां हैं जो जियो की डेटा क्रांति से पहले तक 10 हुआ करती थी। ई-कॉमर्स, ऑनलाइन बुकिंग, ऑर्डर प्लेसमेंट, ऑनलाइन एंटरटेनमेंट, ऑनलाइन क्लासेस जैसे शब्दों से भारत का अमीर तबका ही परिचित था। आज रेलवे बुकिंग खिलड़कियों पर लाइने नहीं लगती। खाना ऑर्डर करने के लिए फोन पर इंतजार नही करना पड़ता। किस सिनेमा हॉल में कितनी सीटें किस रो में खाली हैं बस एक क्लिक में पता चल जाता है। यहां तक कि घर की रसोई की खरीददारी भी ऑनलाइन माल देख परख कर और डिस्काउंट पर खरीदा जा रहा है।

ऑनलाइन धंधे चल निकले तो उनकी डिलिवरी के लिए भी एक पूरा जाल खड़ा करना पड़ा। मोटरसाइकिल पर किसी खास कंपनी का समान डिलिवर करने वाले कर्मचारी का सड़क पर दिखाई देना अब बेहद आम बात है। मोटरसाइकिल के पहिए घूमें तो हजारों लाखों परिवारों को रोजी रोटी मिली। जोमैटो के सीइओ ने कंपनी के आईपीओ लिस्टिंग के महत्वपूर्ण दिन रिलायंस जियो को धन्यवाद दिया। यह धन्यवाद यह बताने के लिए काफी है कि रिलायंस जियो, भारतीय इंटरनेट कंपनियों के लिए क्या मायने रखती है।

भारती एक्सा- आईसीआईसीआई लोम्बार्ड सौदे को बीमा नियामक ने अंतिम मंजूरी दी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने कहा कि बीमा क्षेत्र के नियामक इरडई ने भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस के साधारण बीमा कारोबार को उससे अलग कर उसके साथ मिलाने की योजना को अंतिम मंजूरी दे दी है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने नियामकीय सूचना में कहा है, ''इस संबंध में कंपनी को तीन सितंबर 2021 को बीमा क्षेत्र के नियामक इरडई से प्रस्तावित योजना को लेकर अंतिम मंजूरी का पत्र प्राप्त हुआ है।'' इस योजना के लिये प्रभावी तिथि एक अप्रैल 2020 रखी गई थी। बीमा कंपनी ने कहा है, ''साधारण बीमा व्यवसाय को अलग करने और उसके हस्तांतरण की अंतिम मंजूरी मिलने की तारीख से तीन दिन के भीतर सौदा प्रभावी हो जायेगा जैसा की योजना में कहा गया था।'' कंपनी ने यह भी कहा है कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडई) ने आईसीआईसीआई बैंक को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में अपनी हिस्सेदारी कम करके 30 प्रतिशत पर लाने को भी मंजूरी दे दी है। हालांकि यह काम बीमा कानून 1938 के अनुपालन और जरूरी नियमनों पर निर्भर होगा।

एनटीपीसी ने बांड के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी 28 सितंबर को होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक में बांड या डिबेंचर जारी करके 18,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। वार्षिक आम बैठक के लिए जारी नोटिस में कहा गया कि एनटीपीसी ने निजी नियोजन के आधार पर बांड/डिबेंचर जारी करके 18,000 करोड़ रुपये तक जुटाने का प्रस्ताव किया है। एक अन्य पहल के तहत कंपनी ने मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में एक सरकारी आईटीआई स्थापित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग, कौशल विकास और रोजगार विभाग के साथ भोपाल में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी को पूंजीगत व्यय की आवश्यकता के अलावा अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकता और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए भी उधार लेने की आवश्यकता होती है। उसने साथ ही उधार लेने के अधिकार को 2,00,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,25,000 करोड़ रुपये

करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी भी मांगी है। कंपनी ने कहा कि भविष्य के पूंजी व्यय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उसके लिए धन की व्यवस्था की जाए और नए व्यवसाय में कदम रखा जाए। इसलिए भविष्य में किसी भी अप्रत्याशित निवेश आवश्यकताओं के लिए मौजूदा उधार सीमा को बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। एनटीपीसी ने 31 जुलाई, 2025 तक कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में गुरदीप सिंह को फिर से नियुक्त करने के लिए भी शेयरधारकों से आग्रह किया है। सिंह को पदभार संभालने की तारीख से पांच साल के लिए या अगले आदेश तक 28 जनवरी, 2016 को सीएमडी के रूप में नियुक्त किया गया था।

पैरालंपिक : कृष्णा नागर ने टोक्यो में भारत का पांचवां स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो। टोक्यो पैरालंपिक खेलों में कृष्णा नागर ने पुरुष एकल एसएच 6 वर्ग के फाइनल में तीन कड़े मुकाबले में हांगकांग चीन के चू मान काई को हराकर बैडमिंटन कोर्ट में भारत का दूसरा और कुल पांचवां स्वर्ण पदक जीता। सुहास यतिराज ने सुबह एसएल 4 में रजत पदक जीता। योयोगी नेशनल स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट से एक और स्वर्ण पदक के लिए भारत की

उम्मीदें जयपुर के 22 वर्षीय खिलाड़ी पर निर्भर थी। उन्होंने 43 मिनट में चू को 2-1 से हरा कर शानदार पाली खेली और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पहला गेम जीतने वाले नागर ने 2014 में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और तीन साल बाद इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने रविवार को मैच और स्वर्ण पदक जीतने के लिए चू मान काई को 21-17, 16-21, 21-17 से हराया।

गणेश चतुर्थी के मौके पर इस तरह से सजाएं अपना घर, लगेगा बेहद खूबसूरत

कुछ ही दिनों में गणेश चतुर्थी का आगाज होने ही वाला है और कई लोग इस दिन अपने घरों में 10 दिन तक भगवान गणपति की स्थापना करके पूरे श्रद्धा भाव से उनकी पूजा अर्चना करते हैं। वहीं, गणपती के स्थापना से पहले अपने घर को तरह-तरह से सजाते हैं। ऐसे में अगर आप इस बार गणेश चतुर्थी के लिए अपने घर को एक आकर्षक त्योहार वाला लुक देना चाहते हैं तो ये टिप्स आपके बड़े काम आ सकती हैं।

बन्दनवार से सजाएं घर का मुख्य प्रवेश द्वार- गणेश चतुर्थी के लिए घर की दीवारों को सजाने से पहले इसके मुख्य द्वार को सजाना जरूरी है क्योंकि घर में प्रवेश करते समय सबसे पहले इसी पर ध्यान जाता है। आप चाहें तो घर के मुख्य प्रवेश द्वार को बन्दनवार से सजा सकते हैं।

रंग-बिरंगे फूलों से करें सजावट- त्योहार भले ही कोई भी हो, फूलों का इस्तेमाल करके घर को सजाया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि फूल असली होने चाहिए आर्टिफिशियल नहीं क्योंकि असली फूलों से घर को बहुत ही

खूबसूरत लुक मिलता है।

पेपर क्राफ्ट है अच्छा तरीका- अगर आपका सोचना यह है कि फूलों से तो हर कोई सजावट करता है और आपको इससे हटके कुछ अलग करना चाहिए तो पेपर क्राफ्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

रंगोली बनाएं- रंगोली की मदद से आप अपने घर को विशेष रूप से गणेश चतुर्थी के दौरान आकर्षण का केंद्र बना सकते हैं। इसके लिए बस ऑनलाइन रिसर्च करके अच्छे रंगोली के डिजाइन्स खोजें और फिर का इस्तेमाल करके अपने पसंदीदा रंगोली के डिजाइन की रूपरेखा तैयार करें। फिर इसे भरने के लिए रंगों का इस्तेमाल करें। अगर आपको ऐसा करने में कोई परेशानी हो रही है तो मार्केट से तैयार रंगोली स्टैंसिल खरीदकर उनकी मदद से रंगोली बनाएं।

हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या राय को कास्ट कर सकते हैं भंसालीं

संजय लीला भंसाली फिल्म जगत के लोकप्रिय निर्देशक हैं। वह अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज हीरा मंडी को लेकर चर्चा में हैं। फिलहाल इस प्रोजेक्ट की कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही है। कुछ समय पहले जानकारी सामने आई थी कि सीरीज में भंसाली सदाबहार अभिनेत्री रेखा को शामिल कर सकते हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि भंसाली हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या राय को कास्ट करने का मन बना रहे हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सीरीज हीरा मंडी में रेखा की जगह ऐश्वर्या को चुना जा सकता है। एक

सूत्र ने बताया, यह वही भूमिका है जिसके लिए रेखा के नाम पर विचार किया जा रहा था। ऐसा माना जाता है कि रेखा का पिछले कुछ वर्षों में निर्देशक के साथ काम करना मुश्किल हो गया है। रेखा को साइन करने का भंसाली का उत्साह फिल्म फितूर के निर्माण के दौरान खत्म हो गया था।

सूत्र ने आगे बताया कि फितूर के निर्माण के दौरान निर्देशक अभिषेक कपूर के साथ रेखा के व्यवहार से भंसाली काफी असहज हो गए थे। इसके बाद रातों-रात रेखा को फिल्म से हटा दिया गया था और उनके स्थान पर तब्बू को चुना गया था। सूत्र ने कहा, ऐसी समस्याओं का सामना करने के बजाय भंसाली ने हीरा मंडी में रेखा को कास्ट करने का विचार छोड़ दिया है। उनके स्थान पर ऐश्वर्या को चुना जा सकता है। ऐश्वर्या को भंसाली का पसंदीदा अभिनेत्री माना जाता है।

तापसी पन्नू ने पूरी की अपने होम प्रोडक्शन की पहली फिल्म ब्लर की शूटिंग

ब्लर तापसी पन्नू की आने वाली बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए वह प्रोडक्शन की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। तापसी फिल्म में अभिनय भी करती दिखेंगी। अपने प्रोडक्शन बैनर आउटसाइडर फिल्म्स के तहत ब्लर के साथ वह दर्शकों को एक और रोमांचक अनुभव देने के लिए तैयार हैं। अब तापसी ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर दी है।

ब्लर का निर्देशन अजय बहल ने किया है। खूबसूरत नैनीताल में बड़े पैमाने पर फिल्माई गई इस

फिल्म की टीम की खुशी सातवें आसमान पर है, क्योंकि ब्लर का चुनौतीपूर्ण शेड्यूल पूरा कर लिया है। बहल ने कहा, इस फिल्म का अधिकतर हिस्सा नैनीताल में फिल्माया गया है। हम देर रात से लेकर सुबह तक शूटिंग करते थे, लेकिन यह हम सभी के लिए संतुष्टिदायक अनुभव था।

आज का राशिफल

मेष : आज आप का दिन शुभ फलदायी होगा। कार्य के संदर्भ या किसी विशिष्ट कारण से यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ : समझौता करने की वृत्ति रखोगे तो किसी से संघर्ष नहीं होगा। प्रवास का आयोजन टाल दीजिएगा।

मिथुन : स्वादिष्ट व उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्रालंकार एवं सज्जा तथा मित्रों एवं परिवारजनों के साथ से आज का दिन मानसिक दृष्टि से अत्यंत आनंददायी होगा।

कर्क : संबंधीजनों से मनमुटाव के प्रसंग हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के पीछे व्यय हो सकता है। वाणी पर संयम रखिएगा।

सिंह : मित्रों व स्त्री मित्रों से लाभ होने की संभावना है। किसी सुंदर स्थल के पर्यटन की संभावना है। अनिर्णायक्त। के कारण हाथ आया अवसर जा सकता है।

कन्या : आज का दिन शुभ फलदायी है। नए कार्य के आयोजन संपन्न होंगे। व्यापारीवर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों के लिए भी समय बहुत अच्छा है।

तुला : नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा व किसी धार्मिक स्थल पर जाने का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक : नए कार्यों में असफलता प्राप्त होने के योग हैं, इसलिए कोई नया काम प्रारंभ न कीजिएगा। क्रोध पर संयम रखिएगा।

धनु : मनोरंजन के प्रसंग से आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। विपरीत लिंगीय व्यक्ति यों के सहवास से आपको आनंद मिलेगा। मित्रों के साथ प्रवास, पर्यटन का आयोजन हो सकता है। लेखनकार्य के लिए दिन बहुत अनुकूल है।

मकर : व्यावसाय में आप अपने आयोजन के अनुसार कार्य कर सकेंगे। धन की लेनदेन में भी सफलता मिलेगी। व्यापार से संबंधित कार्यो में बाधा आएगी।

कुंभ: आप के वाणी तथा विचारो में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में आप जुडेंगे। लेखनकार्य तथा सर्जनात्मक प्रवृत्तियों से आनंद मिलेगा।

मीन: आज आप में उत्साह तथा स्फूर्ति की कमी दिखाई देगी। परिवारजनों के साथ विवाद में न उतरने की सलाह है। शारीरिक तथा मानसिक अस्वस्थता का अनुभव होगा।

करौंदा से तैयार करें जायकेदार चटनी

करौंदे की चटनी उत्तर भारत में खाई जाती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट होती है। कचौड़ी, समोसे या पकौड़े के साथ इसका लुत्फ उठाएं। जानेंगे इसे बनाने की रेसिपी।

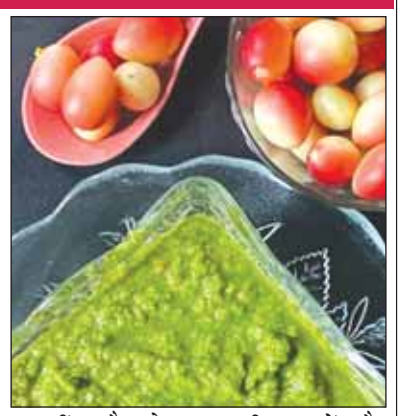

सामग्री :

100 ग्राम करौंदे, 4-5 हरी मिर्च, 1 कप धनिया, चुटकी भर हींग, 1/2 टीस्पून जीरा, 1/4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार

विधि :

हरे धनिए को काट लें। हरी मिर्च को भी काट लें। करौंदे में से बीज निकालकर साफ कर लें। चटनी को पीसने के लिए मिक्सर जार में कटी हरी धनिया, हरी मिर्च और करौंदे डालें। साथ ही नमक, जीरा, हींग और थोड़ा-सा पानी डाल दें और बारीक पीस लें। चटनी को जार से निकालकर एक प्याले में डाल दें।

इस जायकेदार चटनी को खाने के साथ भी परोस सकते हैं या सैंडविच, पकौड़ों के साथ भी खा सकते हैं। चटनी को फ्रिज में रखकर 7 दिन तक इस्तेमाल किया जा सकता है।

शेफ टिप्सः इसमें नींबू का रस और कुछ लहसुन की कलियां जरूर मिलाएं। चटनी में स्वाद तभी आएगा।

शब्द सामर्थ्य- 192

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

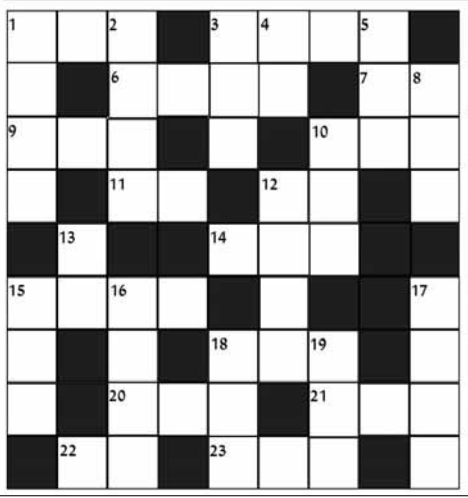

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 191 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 192

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.191 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6